शुगर डिकंट्रोल पर होगा 'उचित' फैसला

रंगराजन समिति की सिफारिशों पर गंभीरता से अध्ययन कर निर्णय करेगी सरकार

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। चीनी उद्योग को नियंत्रण मुक्त करने की वकालत करते हुए कृषि राज्य मंत्री तारिक अनवर ने कहा कि सरकार इस मसले पर उचित फैसला करेगी। चीनी उद्योग ही एकमात्र ऐसा सेक्टर है, जो पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में है। इसमें गन्ने और चीनी के उत्पादन से लेकर विपणन तक का अधिकार सरकार के पास है।

कृषि राज्य मंत्री ने यहां विश्व चुकंदर एवं गन्ना उत्पादक संघ (डब्लूएबीसीजी) के सम्मेलन में कहा कि समय-समय पर कई समितियों द्वारा चीनी उद्योग की समस्याओं की पड़ताल की गई है। रंगराजन समिति के सिफारिशों की रिपोर्ट पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए यह किस तरह बेहतर रहेगा, उसके अनुसार सरकार उचित फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि चीनी उद्योग के विकास की रफ्तार बढ़ाने

सेक्टर को प्रोत्साहित करने की दिशा में उठाया जाएगा कदम

के लिए सही नीतियों की आवश्यकता है। खेती की कुल जीडीपी में चीनी उद्योग का हिस्सा करीब 7 फीसदी और करीब 3 करोड़ लोग प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस सेक्टर पर निर्भर हैं। गन्ना मूल्य तय करने और चीनी कंपनियों द्वारा 70 फीसदी राजस्व किसानों के साथ बांटने की दो प्रमुख सिफारिशों को छोड़कर रंगराजन समिति ने मिलों को खुले बाजार में चीनी बेचने और उनके लिए स्थिर निर्यात व आयात नीति बनाने की सिफारिश की है। खाद्य मंत्रालय ने समिति की रिपोर्ट पर कैबिनेट नोट जारी कर दिया है। इस प्रस्ताव पर अगले सप्ताह आर्थिक मामलों के मंत्री समूह (सीसीईए) की बैठक में चर्चा हो सकती है।

भारत का चीनी उत्पादन 2013-14 में बेहतर रहेगा : आईएसओ

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय चीनी संगठन (आईएसओ) ने कहा कि महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों में सूखे की स्थिति के बावजूद अगले साल भारत का चीनी उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। आईएसओ के कार्यकारी निदेशक पीटर बैरन ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा कि भारत के कुछ राज्यों में सूखे की स्थिति चिंताजनक है लेकिन फिर भी हमारा अगले साल के लिए चीनी उत्पादन को लेकर नजरिया सकारात्मक है। भारत का चीनी उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। हालांकि बैरन ने 2013-14 के चीनी विपणन वर्ष के लिए चीनी उत्पादन का कोई अनुमान नहीं व्यक्त किया। इस साल देश का चीनी उत्पादन 2.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। चीनी को नियंत्रण मुक्त करने के मसले पर आईएसओ प्रमुख ने कहा कि वह चीनी उद्योग के नियंत्रण मुक्त होने को लेकर आशान्वित हैं। सूखे के चलते इस साल महाराष्ट्र और कर्नाटक के गन्ना किसानों ने अभी तक फसल की बुवाई शुरू नहीं की है। महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति इतनी गंभीर है कि सरकार ने पानी का संरक्षण पीने के लिए करने के आदेश दिए हैं।

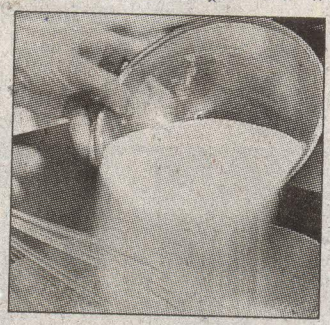

Amar ujala
26/3/13